अतिथि व्याख्यान

केंद्र व राज्य के संबंधों में विभिन्न पहलुओं को विद्यार्थी जाने इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए दिनांक 11 अप्रैल 2022 को अग्रवाल महाविद्यालय बल्लभगढ़ में राजनीति शास्त्र विभाग द्वारा राजनीति शास्त्र फ़ोरम के अंतर्गत "केंद्र व राज्य के संबंधों में उभरती प्रवृत्तियां" विषय पर अतिथि व्याख्यान कराया गया। अग्रवाल महाविद्यालय प्राचार्य डॉ कृष्ण कांत गुप्ता जी की प्रेरणा से महाविद्यालय में समय-समय पर अनेक कार्यक्रम विद्यार्थियों के लिए कराए जाते हैं। इसी श्रृंखला में यह व्याख्यान आयोजित किया गया। व्याख्यान मुख्य वक्ता डॉ सांची चावला , एसोसिएट प्रोफेसर , दौलत राम कॉलेज , दिल्ली विश्वविद्यालय , न्यू दिल्ली द्वारा दिया गया। प्रवक्ता महोदया का स्वागत राजनीति शास्त्र की विभागाध्यक्षा ड़ा. रितु ने किया। वक्तव्य में केंद्र व राज्य संबंधों के विभिन्न आयामों के बारे में बताया गया। कानूनी व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए केंद्र सरकार राज्यों को दिशा निर्देश जारी करती है। बहुत बार केंद्र सरकार ने इस शक्ति का दुरूपयोग किया ख़ासतौर पर अनुच्छेद 356 का। हमारे संघात्मक ढाँचे में बहुत से तनाव पूर्ण मुद्दे है। जैसे-जैसे दलीय व्यवस्था में बदलाव आया है , वैसे-वैसे संघात्मक व्यवस्था में भी बदलाव आया है। आज के समय में राज्यों में प्रतिस्पर्धात्मक संघवाद देखने को मिलता है । मुख्य वक्ता ने यह भी विद्यार्थियों को बताया कि कोरोना महामारी के समय सहयोगात्मक संघवाद भी देखने को मिला फिर भी केंद्रवाद की प्रवृति के कारण बार बार यह माँग उठ रही है कि केंद्र सरकार व राज्य सरकार के संबंधो का पुनर्निर्धारण हो । अंत में विद्यार्थियों ने इससे सम्बंधित प्रश्न पूछे । इस कार्यक्रम का संचालन सहायक प्रो॰ उदिता कुंडू ने किया ।